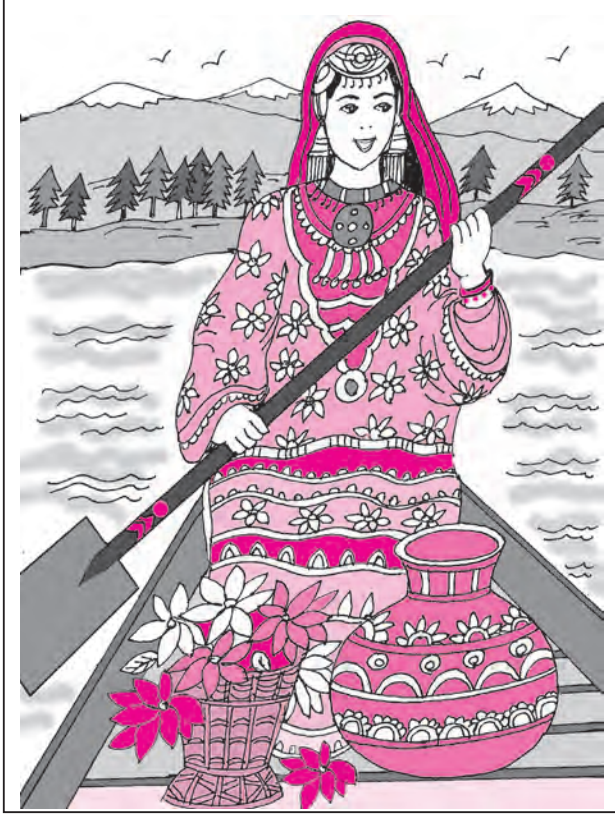


● अंतर बताओ :

४. कश्मीरा



□ विद्यार्थियों से दोनों चित्रों को ध्यान से देखकर इनमें दस अंतर बताने के लिए कहें। जम्मू-कश्मीर की बेटी के संबंध में जानकारी दें।

पहचान हमारी

□ **अध्यापन संकेत** : पहली इकाई, पाठ ५. पहचान हमारी-भाग (१) के पृष्ठ ८ एवं ९ में वर्णमाला का आधा भाग अध्ययन-अनुभव के लिए है। शेष वर्णमाला पाठ १३. पहचान हमारी-भाग (२) के पृष्ठ १८ एवं १९ पर दी गई है। अध्यापन संकेत समझकर विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ। संपूर्ण पाठ्यसामग्री का मूल उद्देश्य वर्णमाला के वर्णों (स्वर, व्यंजन) तथा मात्रा और उनके चिहनों की पहचान करवाना है। निरंतर अभ्यास द्वारा इनका दृढ़ीकरण करवाएँ। श्रवण-वाचन का बार-बार अभ्यास एवं स्वयं अध्ययन अपेक्षित है।

- (१) पृष्ठ ८, ९, १८, १९ पर ऊपर दाहिनी ओर स्वर दिए गए हैं। इनकी मात्राएँ बड़े चित्रों द्वारा पढ़ाना अपेक्षित है।
- (२) सर्वप्रथम इन पृष्ठों पर दिए गए चित्रों का निरीक्षण करने के लिए कहें।
- (३) बड़े चित्रों और मोटे अक्षरों के माध्यम से वर्णों का परिचय करवाएँ फिर मात्राओं को समझाएँ।
- (४) पुनरावर्तन के लिए ऊपर दिए गए प्रत्येक वर्ण का क्रम बदलकर छोटे चित्रों में शब्द दिए गए हैं। ये शब्द मात्रावाले भी हैं। विद्यार्थियों को केवल वर्ण पहचानने और रेखांकित करने के लिए कहें।
- (५) प्रत्येक पृष्ठ के नए वर्णों का परिचय करवाएँ तथा उस पृष्ठ पर आए हुए स्वर और मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें, लिखवाएँ और आकलन कराएँ। 'पढ़ो' के लिए दिए गए शब्दों का सुलेखन और श्रुतलेखन करवाएँ।
- (६) प्रत्येक पृष्ठ पर नीचे दिए गए शब्द, मात्राओं को पहचानने और दिए गए वर्णों के साथ उन्हें जोड़कर पढ़ने के लिए हैं। पहली पंक्ति बिना मात्रावाली, दूसरी पंक्ति पूर्व पृष्ठ की मात्रावाली (पृ. ८ छोड़कर) तथा तीसरी पंक्ति में उसी पृष्ठ की मात्राएँ लगाकर फिर दोनों मात्राएँ साथ लगाकर कई शब्द दिए गए हैं। इन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर स्वयं पढ़ें और विद्यार्थियों से अनुवाचन करवाएँ। तत्पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी से मुखर और मौन वाचन करवाएँ। इन शब्दों के अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है।